भारत सरकार

भारी उद्योग मंत्रालय

लोकसभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3956

25.03.2025 को उत्तर के लिए नियत

फेम योजना के दूसरे चरण के अंतर्गत इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीद

3956. श्री हरीभाई पटेल:

क्या **भारी उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

क) फेम योजना के चरण-।। के अंतर्गत इलेक्ट्रिक वाहनों जैसे ई-बसों, ई-3डब्ल्यू, ई-4डब्ल्यू और ई-2डब्ल्यू की वास्तविक खरीद की संख्या के संबंध में आंकड़े क्या हैं;

ख) क्या मांग प्रोत्साहन के लिए चरण।। के कुल बजट का 86% आबंटन करने से इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और यदि हां, तो इसे किस प्रकार मापा जाता है ;

ग) क्या किफायती सार्वजनिक परिवहन विकल्प उपलब्ध कराने पर योजना के फोकस से 2024 में सार्वजिनक परिवहन उत्सर्जन को कम करने के संदर्भ में कोई विशिष्टपरिणाम सामने आए हैं परिणाम सामने आए हैं और तत्संबंधी आंकड़े क्या हैं;

घ) क्या इस योजना में इलेक्ट्रिक वाहन अपनाने के संदर्भ में कोई प्रमुख क्षेत्रीय विविधता देखी गई है और इन भिन्नताओं में योगदान देने वाले कारक क्या हैं और तत्संबंधी आंकड़े क्या हैं; और

ङ) क्या फेम योजना के चरण ।। में निजी क्षेत्र की भागीदारी ईवी अवसंरचना और आपूर्ति श्रृंखला को बढ़ाने में प्रभावी रही है?

उत्तर

भारी उद्योग राज्य मंत्री

(श्री भूपति राजू श्रीनिवास वर्मा)

(क) : भारत में (हाइब्रिड और) इलेक्ट्रिक वाहनों का तीव्र अंगीकरण और विनिर्माण (फेम इंडिया) स्कीम, चरण-।। कुल 11,500 करोड़ रुपये की बजटीय सहायता के साथ 01.04.2019 से पांच वर्ष की अवधि के लिए कार्यान्वित किया गया था। इस स्कीम के अंतर्गत इलेक्ट्रिक वाहनों यानी ई-दुपहिया, ई-तिपहिया और ई-चौपहिया की बिक्री के लिए आर्थिक प्रोत्साहन प्रदान किया गया। इस स्कीम के अंतर्गत ई-बसों की तैनाती और ईवी पब्लिक चार्जिंग स्टेशन (ईवीपीसीएस) की स्थापना के लिए अनुदान भी उपलब्ध था। फेम इंडिया स्कीम, चरण-।। के तहत बेचे गए इलेक्ट्रिक वाहनों की खंडवार संख्या इस प्रकार है: -

क्र. सं.	**खंड**	**स्कीम के अंतर्गत बेचे गए ईवी की संख्या**
1	ई-दुपहिया	14,69,343
2	ई-तिपहिया	1,78,952
3	ई-चौपहिया	23,311
	कुल योग	**16,71,606**

इसके अलावा, इस स्कीम के तहत अंत:-शहरी प्रचालन के लिए विभिन्न शहरों/राज्य परिवहन उपक्रमों/राज्य सरकार संस्थाओं को 6,862 इलेक्ट्रिक बसें संस्वीकृत की गई।.

(ख): स्कीम के लिए 11,500 करोड़ रुपये के परिशोधित परिव्यय में से, मांग प्रोत्साहन के लिए 7,048 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया, जिसके परिणामस्वरूप इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। नीचे दिए गए विवरण के अनुसार, फ़ेम-।। स्कीम अवधि के दौरान ईवी की पैठ 0.71% से बढ़कर 6.82% हो गई है::-

(संख्या लाख में)

श्रेणी/वित्त वर्ष	**2019-20**	**2020-21**	**2021-22**	**2022-23**	**2023-24**	**2024-25 (18/03/25 तक)**
आईसीई वाहन	244.20	173.79	179.86	211.49	229.60	232.98
इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी)	1.74	1.43	4.59	11.83	16.81	18.48
ईवी पैठ	0.71%	0.82%	2.49%	5.30%	6.82%	7.35%

(स्रोत: ई-वाहन पोर्टल)

(ग): 28.02.2024 तक स्कीम के तहत शहर के अंदर प्रचालन के लिए विभिन्न शहरों/एसटीयू/राज्य सरकार की संस्थाओं को संस्वीकृत 6,862 ई-बसों में से 5,135 ई-बसों की आपूर्ति की जा चुकी है। हालांकि, वर्ष 2024 के लिए उत्सर्जन में कमी का मात्रात्मक अध्ययन नहीं किया गया है।

(घ): फ़ेम-।। स्कीम के तहत बेचे गए राज्यवार इलेक्ट्रिक वाहनों को अनुलग्नक में दर्शाया गया है। आँकड़ों से ज्ञात होता है कि दक्षिणी और पश्चिमी राज्य (महाराष्ट्र, कर्नाटक और तमिलनाडु) इस स्कीम के तहत बेचे गए इलेक्ट्रिक वाहनों की कुल संख्या में सबसे आगे हैं, जबकि पूर्वोत्तर और छोटे राज्यों में इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने की दर बहुत कम है।

(ङ): जी हां, फ़ेम स्कीम के चरण-।। में निजी क्षेत्र की भागीदारी ईवी अवसंरचना और आपूर्ति श्रृंखला को बढ़ाने में प्रभावी रही है। भारी उद्योग मंत्रालय ने निजी क्षेत्र की भागीदारी से ईवी पब्लिक चार्जिंग स्टेशन (ईवी पीसीएस) स्थापित करने के लिए पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अधीनस्थ तीन तेल विपणन कंपनियों को पूंजी सब्सिडी के रूप में ₹873.50 करोड़ मंजूर किए हैं। इसके अलावा, स्कीम के तहत प्रगतिशील स्थानीकरण अधिदेश यानी चरणबद्ध विनिर्माण कार्यक्रम (पीएमपी) से स्थानीय आपूर्ति श्रृंखला की मांग को सक्रिय रूप से बढ़ावा मिला है।

****

लोक सभा में दिनांक **25.03.2025** को उत्तर के लिए नियत अतारांकित प्रश्न संख्या **3956** का अनुलग्नक

01/4/2019 से **31/3/2024** तक फ़ेम-।। स्कीम के तहत बेचे गए इलेक्ट्रिक वाहनों की राज्यवार संख्या

राज्य	ई-दुपहिया	ई-तिपहिया	ई-चौपहिया	कुल
महाराष्ट्र	2,99,375	10,102	3,358	3,12,835
कर्नाटक	2,42,623	10,839	4,792	2,58,254
तमिलनाडु	1,28,265	4,073	659	1,32,997
गुजरात	1,24,301	2,948	302	1,27,551
केरल	96,394	7,988	229	1,04,611
दिल्ली	66,185	20,910	7,528	94,623
राजस्थान	88,331	5,002	223	93,556
उत्तर प्रदेश	57,066	34,768	738	92,572
तेलंगाना	72,561	4,505	1,655	78,721
मध्य प्रदेश	52,746	8,412	128	61,286
आंध्र प्रदेश	55,659	5,245	58	60,962
ओडिशा	51,180	3,252	320	54,752
छत्तीसगढ	31,992	6,575	74	38,641
बिहार	14,577	14,470	31	29,078
पश्चिम बंगाल	16,477	4,512	1,390	22,379
हरियाणा	13,036	3,228	1,373	17,637
गोवा	15,087	62	19	15,168
पंजाब	12,142	1,221	40	13,403
झारखंड	9,170	3,436	215	12,821
उत्तराखंड	7,609	4,749	38	12,396
असम	3,405	8,664	86	12,155
त्रिपुरा	255	7,692	7	7,954
जम्मू कश्मीर	3,076	4,575	2	7,653
पुदुचेरी	3,913	128	13	4,054
चंडीगढ़	2,207	441	18	2,666
हिमाचल प्रदेश	913	249	5	1,167
मणिपुर	58	463	1	522
मेघालय	138	375	-	513
मिजोरम	326	2	-	328
दादरा और नगर हवेली तथा दमण और दीव	217	53	1	271
अंडमान व निकोबार द्वीप समूह	22	-	8	30
अरुणाचल प्रदेश	7	9	-	16
लक्षद्वीप	14	2	-	16
सिक्किम	9	1	-	10
नागालैंड	7	1	-	8
कुल योग	14,69,343	1,78,952	23,311	16,71,606

******